इग्नू अध्ययन केन्द्र, उदय प्रताप कालेज, वाराणसी

(सेन्टर कोड–2708)

शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों, स्वरोजगार/नौकरी पेशा व्यक्तियों को बारहवीं/स्नातक पास के द्वार तक पहुँचा कर उच्च शिक्षा से उन्हें लाभान्वित कराने तथा आय, उम्र, लिंग, क्षेत्र और धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के शिक्षा पाने के इच्छुक ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के सभी लोगों को उच्च कोटि की शिक्षा सुलभ कराने का लक्ष्य पूरा करने हेतु वर्ष 1985 में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना हुई। इग्नू का एक **अध्ययन केन्द्र उदय प्रताप कालेज, वाराणसी में 19.09.1987** में खोला गया था जो पूर्वी उत्तर प्रदेश का पहला अध्ययन केन्द्र था। **यह केन्द्र प्रदेश के सर्वोत्तम केन्द्रों में एक है।** यह अध्ययन केन्द्र वाराणसी शहर के उत्तरी छोर पर स्थित है जो शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के बीच में स्थित है। अध्ययन केन्द्र पर प्रति वर्ष लगभग 2000 विद्यार्थी पंजीकृत होकर शिक्षा ग्रहण करते हैं।

इस अध्ययन केन्द्र (कोड 2708) पर **स्नातकोत्तर स्तर** पर–हिन्दी, समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, पर्यटन प्रबन्धन विषयों में एम0ए0 एवं **स्नातक स्तर** पर बी.एस–सी.जी., बी.ए.जी., बी.काम. जी, बी.एल.आई.एस. (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक), बी.टी.एस. (पर्यटन अध्ययन में स्नातक), बी. एस.डब्ल्यू.जी. (सामाजिक कार्य में स्नातक) एवं एम0बी0ए0 के कार्यक्रम चलाये जा रहे है तथा बी0ए0 आनर्स सम्बन्धित एक विषय से किया जाता है। इसके साथ ही साथ अनेक **डिप्लोमा कोर्स** जैसे अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (P.G.D.T.), ग्राम विकास में **स्नातकोत्तर डिप्लोमा** (PGDRD), आपदा प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDDM), अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDIBO), पर्यावरण व सतत् विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDESD), विश्लेषणात्मक रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDAC), अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDAST), उच्च शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDHE), बौद्धिक सम्पदा अधिकारों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDIPR), शहरी नियोजन एवं विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDUPDL), पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा (DNHE), एच0 आई0वी0 और परिवार शिक्षा में डिप्लोमा (DAFE), पर्यटन अध्ययन में डिप्लोमा (DTS), अंग्रेजी में सृजनात्मक लेखन में डिप्लोमा (DCE), महिला सशक्तिकरण व विकास में डिप्लोमा (DWED) तथा सर्टिफिकेट प्रोग्राम जैसे–आपदा प्रबन्धन में प्रमाण–पत्र (CDM), एच0आई0वी0 और परिवार शिक्षा में प्रमाण–पत्र (CAFÉ), प्रयोजन मूलक अंग्रेजी में प्रमाण–पत्र (CFE), पर्यटन अध्ययन में प्रमाण–पत्र (CTS), ग्राम विकास में प्रमाण–पत्र (CRD), पोषण एवं शिशु देखभाल में प्रमाण–पत्र (CNCC), भोजन एवं पोषण में प्रमाण–पत्र (CFN), पर्यावरण अध्ययन में प्रमाण–पत्र (CES), मानवाधिकार में प्रमाण–पत्र (CHR), मार्गदर्शन में प्रमाण–पत्र (CIG) आदि पाठ्यक्रम चलाये जा रहे है। इग्नू की उपाधियाँ/डिप्लोमा/प्रमाण–पत्र भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) के सभी सदस्य संस्थानों द्वारा मान्यता प्राप्त है और सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों की उपाधियाँ/डिप्लोमा/प्रमाण–पत्रों के समतुल्य है।

इस अध्ययन केन्द्र पर यथासम्भव प्रत्येक रविवार को योग्य सलाहकारों द्वारा परामर्श कक्षायें चलायी जाती है। इन परामर्श कक्षाओं में उपस्थित छात्र–छात्रायें अपने कोर्स से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण करते है। प्रयोगात्मक कक्षायें अप्रैल, मई व जुलाई में सम्पन्न कराई जाती है। कालेजों में रेगुलर पाठ्यक्रम में प्रवेश न प्राप्त करने वाले छात्र इग्नू के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स की पढाई कर सकते है। अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी अध्ययन केन्द्र का चयन कर प्रवेश ले सकते है। इग्नू का अध्ययन सामग्री (स्टडी मैटेरियल) अत्यन्त उच्च कोटि का है जिसकी कीमत फीस में ही शामिल होती है। नौकरी पेशा छात्र घर पर अध्ययन करके सीधे परीक्षा दे सकते है। छात्रों को अध्ययन के माध्यम में परिवर्तन की छूट भी प्रदान की जाती है। **इग्नू जेल कैदियो को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करता है।** कैदियों को इग्नू के द्वारा पुस्तकें प्रदान की जाती हैं एवं उनकी कक्षायें एवं परीक्षायें जेल में ही आयोजित की जाती है। इस दौरान यदि कैदी जेल से छूट जाता है तब उसके बाद की अवधि से लागू शुल्क लिया जाता है। **अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं का इग्नू के विभिन्न कार्यक्रमों (बी0ए0, बी0काम0, बी0एस–सी0, बी0एस0डब्ल्यू0, बी0टी0एस0, बी0सी0ए0) में प्रवेश निःशुल्क दिया जाता है।**

एक वर्ष या इससे अधिक अवधि के कार्यक्रम के नामांकित छात्र किसी भी **6 माह के प्रमाण–पत्र के कार्यक्रम में भी प्रवेश ले सकते है** और साथ–साथ दोनों प्रोग्राम पूरा कर सकते है। निर्धारित अवधि में कार्यक्रम न पूरा करने वाले छात्र निर्धारित शुल्क जमा कर पुनः प्रवेश ले सकते है।

इग्नू में प्रवेश प्राप्त छात्र अपना अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय केन्द्र व परीक्षा केन्द्र अपनी सुविधानुसार बदल सकता है। इग्नू में प्रवेश के लिए प्रवेशार्थी की उम्र की बाध्यता नहीं है। इससे यदि कोई नौकरी पेशा/स्वरोजगार व्यक्ति जो कई वर्षो के अन्तराल के बाद अपनी आगे की शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखता है वह इग्नू में प्रवेश लेकर आसानी से शिक्षा प्राप्त कर सकता है। क्योंकि काउन्सिलिंग कक्षाओं में उपस्थित होने की अनिवार्यता नहीं है। यहाँ पर कोर्सो का मूल्यांकन ग्रेडिंग व मार्किंग में होता है।

वर्तमान समय में समन्वयक **डॉ0 नरेन्द्र प्रताप सिंह**, सहायक समन्वयक क्रमशः **डॉ0 राघवेन्द्र सिंह रघुवंशी, डॉ0 संजीव कुमार सिंह एवं डॉ0 मनीष कुमार गुप्ता** के अलावा 04 सहायक, 04 परिचर एवं 01 स्वीपर अध्ययन केन्द्र पर कार्यरत है। उदय प्रताप कालेज के प्राचार्य अध्ययन केन्द्र के संस्था प्रमुख रहते हैं।

इग्नू में नामांकन वर्ष में दो सत्र जुलाई व जनवरी में होता है तथा परीक्षायें जून व दिसम्बर में होती है। यह अध्ययन केन्द्र वृहस्पतिवार के अतिरिक्त प्रत्येक कार्य दिवसों में पूर्वाह्न 12.30 बजे से सायं 7.00 बजे तक तथा रविवार को प्रातः 10.00 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक खुला रहता है तथा केन्द्र में वृहस्पतिवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है। पाठ्यक्रम व प्रवेश सम्बन्धी जानकारी/सूचनायें **दूरभाष–2284961, मो0नं0 9838499669, 9450538183** से प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त **e-mail-2708lscrc48@ignou.ac.in** एवं **www.facebook.com@Ignousc2708** सम्पर्क सूत्रों के माध्यम से इस अध्ययन केन्द्र की सम्बन्धित सूचनायें प्राप्त की जा सकती है।

mhsingh

डॉ0 (नरेन्द्र प्रताप सिंह)
समन्वयक